



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 222]

नई दिल्ली, सोनवार, अक्टूबर 6, 1986/आश्विन 14, 1908

No. 222]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 6, 1986/ASVINA 14, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

वाणिज्य सूचना सं. 19 ई टी सी (पी एन)/86

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1986

विषय :—1-1-87 से 31-12-87 तक संयुक्त राज्य अमरीका
यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों, कनाडा, आस्ट्रिया,
फिनलैंड, स्वीडन और नार्वे को खुले सामान्य लाइसेंस-3
के अंतर्गत कुछ कपड़ों और/या सूत ऊन और मानव निर्मित
धातुओं से तैयार मर्चों के निर्यात के लिये स्कीम।

का. सं. 2/65/85-ई-1 स्कीम :—यह स्कीम 1-1-87 से
31-12-87 तक की अवधि के लिए संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय
आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों (जर्मन संघीय गणराज्य, फ्रांस, इटली,
बेनिक्स, यू. के., आयरलैंड, डेनमार्क और ग्रीस, स्पेन तथा पुर्तगाल)
आस्ट्रिया, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन और नार्वे को कुछ कपड़ों और/या सूत,
ऊन और मानव निर्मित धातुओं के तैयार मर्चों के निर्यात से संबंधित है।

2. स्कीम के प्रशासन के लिए अधिकरण :—2(1) जब तक अन्यथा
रूप से निर्देश न दिए जाएं, सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद (टैक्स-
प्रोमिस) सभी वस्त्रों और तैयार वस्तुओं के लिए निर्यात हक्कार का
आवंटन करेगी किन्तु ऊनी वस्त्र और तैयार वस्तुओं को छोड़कर जिनकी
निर्यात हक्कारों का आवंटन ऊन तथा ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद्
(इस्यू एण्ड डब्ल्यू ई पी सी) द्वारा किया जाएगा। लेकिन सभी वस्त्र
और तैयार वस्तुएं जिनमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्तुएं भी शामिल हैं
के लिए आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद द्वारा किया
जाएगा। योजना के अंतर्गत आने वाले वस्त्र उत्पादों की श्रेणियों की
सूची सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद और ऊन तथा ऊनी वस्त्र निर्यात
संबंधन परिषद के पास उपलब्ध है। सरकार का यह अधिकार होगा
कि वह जैसा उचित समझे, इस योजना के प्रशासन के लिए अधिकरणों
के संबंध में परिवर्तन कर सकती है।

2(2) निर्यात हक्कारों का आवंटन केवल सभ्य पंजीकरण प्राधि-
कारियों के पास पंजीकृत निर्यातकों को ही किया जाएगा।

3. मात्रा आवंटन की प्रक्रिया और आवंटन वर्ष का विभाजन-निर्यात
के लिए मात्रा के आवंटन की तीन प्रक्रियाएँ होंगी :—(13) वार्षिक स्तर
के 40 प्रतिशत का आवंटन भूतकालीन निष्पादन के आधार पर किया

जाएगा और 40 प्रतिशत का पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण के आधार पर और 20 प्रतिशत पहले आए सो पहले पाए तैयार वस्त्र के आधार पर ।

3(2). भूतकालीन निष्पादन पद्धति के मामले में 1-1-1987 से 30-9-1987 तक की एक एकूण आर्बंटन अवधि होगी । पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण पद्धति और पहले आए सो पहले पाए तैयार वस्त्र पद्धति के मामले में वर्ष का विभाजन चार मास की तीन अवधियों अर्थात् 1-1-87 से 30-4-1987, 1-5-1987 से 31-8-1987 और 1-9-87 से 31-12-1987 में किया जाएगा ।

3(3). पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण पद्धति और पहले आए सो पहले पाए तैयार मास पद्धति के अधीन उपलब्ध मात्रा का 50 प्रतिशत प्रथम अवधि जनवरी/फ़रवरी 1987 के दौरान लदान के लिए आर्बंटन किया जाएगा और 25 प्रतिशत की दूसरी अवधि मई/जून 1987 के दौरान लदान के लिए आर्बंटन किया जाएगा और शेष 25 प्रतिशत तृतीय अवधि सितम्बर/दिसम्बर 1987 के लिए आर्बंटन किया जाएगा । लेकिन, उपर्युक्त अवधियों और/या पद्धतियों-वार अनुपातों को, मास की प्रभुत्व और अन्य पैरामीटरों के आधार पर सरकार द्वारा आशोधित किया जा सकता है ।

4. खण्ड के लिए आरक्षण :—जहाँ पर सूती, ऊनी और मनुष्य निर्मित धागे की निर्यात हकदारी मिश्रित की जाती है, ऊनी और संश्लिष्ट मात्राओं के लिए आरक्षण विशेष मात्राओं की शर्तों के अनुसार किया जाएगा । वस्त्र आरक्षित द्वारा वास्तविक मात्राओं का निश्चय गत वर्ष के पैटर्न और चालू वर्ष की प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए क्रमशः परिषदों द्वारा पक्की जहर्ते प्राप्त करने के बाद किया जाएगा ।

5. भूतकालीन निष्पादन हकदारी प्रणाली (1) हकदारियों का निश्चय करने के लिए एजेंसी :—प्रत्येक निर्यातक के संबंध में भूतकालीन निष्पादन योजना के अधीन हकदारों की गणना करने के लिए एजेंसी सूची वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद, बम्बई (टेक्सप्रोसिल) होगी । वस्त्र आरक्षित इस संबंध में किया विधियों निर्धारित करेंगे और टैक्सप्रोसिल के कार्य का पर्यवेक्षण करेंगे ।

(2) निर्धारित अवधि और उच्चतम सीमा—हकदारी का निश्चय प्रत्येक निर्यातक के लिए 1984-85 और जनवरी/जून 1986 के दौरान किए गए निर्यातों के अंतर्गत के आधार पर प्रत्येक देश/श्रेणी समूह के लिए यथा अनुपात किया जाएगा । आर्बंटन यथानुपात के आधार पर किया जाएगा । लेकिन कोई भी निर्यातक प्रत्येक देश/श्रेणी में आधार अवधि में अपने वार्षिक अंतर्गत निर्यात से अधिक के लिए हकदार नहीं होगा ।

(3) निष्पादन बाण्ड—भूतकालीन निष्पादन हकदारी के लिए पात्रता प्राप्त करने वाले निर्यातकों को निष्पादन बाण्ड भरे बिना ही 31-3-1987 तक अपनी हकदारी का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी ।

(4) निर्यातकों को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे 31-3-1987 तक उपर्युक्त हकदारियों को अर्पणित कर दें या उन्हें ऐसी मात्रा रखने की अनुमति दी जाएगी जो वे 31 मार्च, 1987 से पहले या इस तिथि को 1 खपता प्रति किलोग्राम की दर पर बैंक गारंटी या नकद निक्षेप द्वारा समर्थित निष्पादन बाण्ड देकर रखने की इच्छा करें और जिन मामलों में यूनिट का आर्बंटन किलो ग्रामों में हो वहाँ यह दर 1/1000 देशों की क्वांटि के लिए 24 पैसे प्रति वर्जन संयुक्त राज्य अमेरिका को 40 पैसे प्रति वर्जन, टेरेर तीलियं और वस्त्रों के लिए 10 पैसे प्रति वर्ग गज और कनाडा को ऊनी बसटिड वस्त्रों के लिए 10 पैसे प्रति वर्ग गज होगी ।

(5) निर्यातकों को 30-6-1987 को उपर्युक्त 5(4) में 50 पर प्रतिशत की दर पर अपनी उपर्युक्त हकदारी को अर्पणित करने का विकल्प दिया जाएगा ।

(6) यदि उपयोग 30 सितम्बर 1987 से पहले 75 प्रतिशत से कम रहता है तो निर्यातक को पैरा 5(4) में विशिष्टकृत दर से दुगुने दर पर निष्पादन बाण्ड को निष्पादन के द्वारा 31 दिसम्बर, 1987 तक पोतलदान करने के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए विकल्प दिया जाएगा ।

(7) हस्तांतरण :—(क) 30-9-1987 तक किसी भी समय किसी भी निर्यातक को अपनी हकदारी में किसी भी हिस्से का हस्तांतरण करने का एक निर्यातक को विकल्प होगा ।

(ख) हस्तांतरित मात्रा इस हस्तांतरण के निर्यात के रूप में मानी जाएगी जो वास्तव में मात्रा का लदान करता है ।

(ग) हस्तांतरण के पास की हकदारी उन्हीं शर्तों एवं नियमों के अधीन होगी जो हस्तांतरण के पास हकदारी के लिए लागू हैं ।

(घ) एक निर्यातक जो पूर्ण रूप या आंशिक रूप से किसी विशेष देश/श्रेणी में किसी अन्य निर्यातक से हस्तांतरण द्वारा हकदारी प्राप्त करता है तो वह उसी देश/श्रेणी में किसी अन्य निर्यातक को किसी भी हकदारी को हस्तांतरित करने का हकदार नहीं होगा ।

(ङ) विशेष/विशेष/श्रेणी के भूतकालीन निष्पादन हकदारी का हस्तांतरण उस निर्यातक के लिए अनुमति नहीं होगा जिसके पास उसी देश/श्रेणी में "पहले आए सो पहले पाए" संविदा आरक्षण कोटा हो ।

6. पहले आए सो पहले पाए के आधार पर संविदा आरक्षण पद्धति—

(1) पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण आधार पर आर्बंटन के लिए निर्यातक को आवेदन पत्र के साथ यदि आर्बंटन कि. ग्रा. में है तो 1 खपता प्रति कि. ग्रा. की दर पर यूरोपियन आर्थिक समुदाय के देशों के लिए कमालों के लिए 12 प्रेस प्रति वर्जन, यू. एस. ए. के लिए टेरेर तीलियं के लिए 24 पैसे प्रति वर्जन और वस्त्रों के लिए 5 पैसे प्रति वर्ग गज और कनाडा के लिए ऊनी बसटिड वस्त्रों के लिए 5 पैसे वर्ग मोटर की दर पर परिकल्पित बैंक गारंटी द्वारा समर्थित निष्पादन बाण्ड प्रस्तुत करना पड़ेगा ।

(2) उपर्युक्त बाण्डिका 6(1) में निर्दिष्ट दुगुनी दरों पर निष्पादन बाण्ड भेज कर निर्यातक अगले आर्बंटन अवधि में वृद्धि के लिए आवेदन कर सकता है वगैरह की उसने 30 जून 1987 तक अपनी हकदारी का 75 प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर लिया है ।

(3) यदि किसी निश्चित दिन किसी देश/श्रेणी में वितरण के लिए आवेदित कुल मात्रा उपलब्ध मात्रा से अधिक है तो आर्बंटन उच्च मूल्य आधार पर किया जाएगा ।

7. पहले आए सो पहले पाए तैयार मास पद्धति :—(1) पहले आए सो पहले पाए तैयार मास के आधार पर मात्रा के आर्बंटन के मामले में निर्यातक के आवेदन-पत्र के साथ पोतलदान बिल, वस्त्र समिति निरीक्षण प्रमाण-पत्र, जहाँ लागू हो ए आर 4 या ए आर 5/ए आर 3-अवधि और 50 पैसे प्रति कि. ग्रा. की दर पर परिकल्पित अर्जित धन निक्षेप के लिए बैंक प्रस्तुत करना पड़ेगा, जो कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर वास्तविक पोतलदान प्रस्तुत नहीं किया जाता तो जब्त कर लिया जाएगा ।

(2) यदि किसी विशेष दिन आवेदित कुल मात्रा किसी देश/श्रेणी में वितरण के लिए उपलब्ध मात्रा से कम है तो आर्बंटन उच्च मूल्य आधार पर किया जाएगा ।

8. प्रमाणीकरण/पोतलदान :—आर्बंटन की सभी तीनों पद्धतियों के अन्तर्गत टेक्सप्रोसिल द्वारा प्रमाणीकरण, किसी भी मामले में प्रमाणीकरण की तारीख से 21 पूरे दिन की अवधि के लिए पोतलदान के लिए इस शर्त के अधीन होगा कि कोई भी प्रमाण-पत्र 31 दिसम्बर 1987 के बाद वैध नहीं होगा ।

9. धीमी रफ्तार की मर्दे :—वस्त्र आयुक्त भूतकालीन नियमितों और वर्तमान प्रवृत्ति के आधार पर धीमी रफ्तार वाली मर्दों को अभिमत करेगा और उनकी सूची की घोषणा करेगा। ऐसी मर्दे निम्नलिखित रियायतों के लिए पात्र होगी :—

- (क) निष्पादन गारंटी के मुद्दे सुरक्षा संबंधी प्रावधान उन मर्द गति वाली मर्दों के मामले में हैं जो कि इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से अभिज्ञात हैं, भूतकालीन नियमितों और वर्तमान प्रवृत्तियों के आधार पर वस्त्र आयुक्त द्वारा अलग कर दी जाएगी।
- (ख) भ्रष्टगति वाली मर्दों की पहचान के लिए आवेदक की बैंक गारंटी अथवा नकद निक्षेप के बिना वस्त्र संबंधित समिति द्वारा निर्धारित प्रपत्र में केवल निष्पादन बाण्ड ही भेजा जाएगा।

10. पेशगी धनराशि का निक्षेप/बैंक गारंटी और उनकी जल्दी :—जो नियमितक पहले निष्पादन हकदारी के अन्तर्गत उसकी आर्बंटित नियमित हकदारी तथा किसी विशेष नियमित हकदारी अधि में पहले भाग से पड़े पाए संविदा आरक्षण उसे आर्बंटित हकदारी कोटे के 90 प्रतिशत तक निष्पादन करता है तो उसे जमाने का भुगतान नहीं करना होगा। जो नियमितक 75 प्रतिशत तक किन्तु 90 प्रतिशत से कम नियमित करता है, उसे भी अनुपात के हिसाब से जमाना देना होगा। यदि नियमित हकदारी का उपयोग 75 प्रतिशत से कम है तो नियमितक अपने पूरे निष्पादन बाण्ड जम्मा कराने के लिए उत्तरदायी होगा। जब भी ऐसा हो यह अनिवार्य बाण्डता के अधीन लागू होगा।

(2) समय वृद्धि के लिए आवेदन-पत्र समबद्ध अधि के एक मास के भीतर दाखिल किए जाएंगे।

(3) इस नीति के अनुसार जिन नियमितकों को नियमित का आर्बंटन किया गया है किन्तु जो उसका उपयोग नहीं करते हैं, ध्वज्य में वे आर्बंटन के दायीय साबित होंगे और उन पर बिना किसी पक्षपात के उस संबंध में अन्य बार्बाई की जा सकती है।

11. पेशगी की धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी जम्मा करने के विषय अपील :—आर्बंटित नियमित हकदारी के उपयोग न करने के लिए पेशगी की धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी के जम्मा करने के विषय नियमितों द्वारा किए गए प्रतिवेदनों पर उपयुक्त विचार करने के लिए केवल निम्नलिखित क्रियाविधि लागू होगी। सूची वस्त्र नियमित संबंधित परिषद द्वारा पेशगी की धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी जम्मा किए जाने पर संबंध नियमितक ऐसे जम्मीकरण की सूचना प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर वस्त्र आयुक्त बम्बई को इसके विषय अपील कर सकता है। वस्त्र आयुक्त ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद शीघ्र से शीघ्र निर्णय देंगे। यदि किसी मामले में नियमितक वस्त्र आयुक्त के निर्णय से असंतुष्ट हो तो वह निर्णय प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है। दूसरी अपील वस्त्र विभाग को की जाएगी और उस पर सरकार द्वारा गठित की गयी प्रवीट समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

12. नियमित हकदारी आर्बंटन का पर्यवेक्षण :—वस्त्र आयुक्त, बम्बई नियमित हकदार के आर्बंटन से संबंधित मामलों पर दिन प्रतिदिन पर्यवेक्षण के अधिकार को जारी रखेगा। एक समन्वय समिति, जिसके वस्त्र आयुक्त अध्यक्ष होंगे और संबंधित नियमित संबंधित परिषदों के प्रतिनिधि सदस्य होंगे, वे समय-समय पर नीति के प्रचालन की पुनरीक्षा करेंगी। विचारों में विभिन्नता होने वाले मामलों में वस्त्र आयुक्त का निर्णय अंतिम होगा।

13. सोमागुल्क द्वारा निकासी :—क. नियंत्रण के अधीन उत्पाद पोतलवान की अनुमति सोमागुल्क प्राधिकारियों द्वारा पोतलवान के पत्तों पर सूची वस्त्र नियमित संबंधित परिषद या इस उद्देश्य के लिए नियत किसी अन्य उपयुक्त निगम द्वारा जारी किए गए अलग-अलग माल परेषणों के लिए मूल पोत परिवहन बिलों पर और उनकी अनुलिपि प्रति पर पृष्ठांकन के आधार पर दी जाएगी।

ख. हथकरघा उत्पाद :—जहाँ तक नियंत्रित मर्दों के संगत सभी हथकरघा वस्त्रों/सैयार वस्तुओं के नियमित का संबंध है, वहाँ सोमागुल्क द्वारा पोतलवान की अनुमति वस्त्र आयुक्त द्वारा कंठोद्यम प्रपत्र के भाग-2 में निरीक्षण पृष्ठांकन के आधार पर दी जाएगी।

ग. भारतीय मर्द के लिए क्रियाविधि :—उत्ता भारतीय मर्दों के बारे में जो कि डेड भारतीय परंपरागत लोक प्रचलित उत्पाद हैं, यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों, यू. एन. ए. कानून, आस्ट्रिया, स्वीडन, कनाडा और नार्वे को नियमित के लिए पोतलवान सोमागुल्क द्वारा निकासी आयुक्त (इम्प्लिमेंट) के कार्यालय द्वारा जारी किए गए उचित प्रमाणपत्रों के आधार पर अनुमत किया जाएगा।

14(क). नियमित प्रमाणपत्र, उद्गम प्रमाणपत्र और बीमा :—संगत द्वितीय समन्वय के अधीन निम्नलिखित जेजिन प्रमाणपत्र सूची पत्र नियमित संज्ञित परिषद या उनके नाम में विभिन्न प्राधिकृत निता अन्य परिषद द्वारा जारी किए जाएंगे :—

(1) ई. टी. सी. :—(क) बुने हुए पावरलूम और मित्र निर्मित मूल को पोगातें जो नियंत्रण के अधीन हैं, के लिए नियमित प्रमाणपत्र और उद्गम प्रमाणपत्र।

(ख) बुने हुए/पावरलूम/मित्र निर्मित मूल को पोगातें जो नियंत्रण के अधीन नहीं हैं, के लिए उद्गम प्रमाणपत्र।

(2) आस्ट्रिया :—नियंत्रण या निगरानी तो नार्वे के अधीन सूची पावरलूम/मित्र निर्मित पोशाकों के लिए नियमित प्रमाणपत्र।

(3) कनाडा :—बुने हुए/पावरलूम और मित्र निर्मित मूल को पोगातें जो नियंत्रण के अधीन हैं केवल 500 या इतने कम कनेडियन डालर मूल्य के परेषण के लिए नियमित-प्रमाणपत्र।

4. यू. एन. ए. :—(क) यू. एन. डालर 250 से अधिक मूल्य वाले परेषण की मित्र निर्मित/पावरलूम पोशाकों/बुने हुए वस्त्रों के लिए बीमा।

(ख) यू. एन. डालर 250 या इतने कम मूल्य के परेषण की पोशाकों/बुने हुए वस्त्रों के लिए छूट प्रमाणपत्र।

(5) स्वीडन :—सभी मित्र निर्मित/पावरलूम/स्वीडन/बुनी हुई किनेगिया से बुने हुए मात्रिक उद्गम के अधीन नियमित प्रमाणपत्र।

(6) नार्वे :—जेणो 7 के अन्तर्गत मित्र निर्मित और अतिरिक्त जालित करवे के बंड लीटन के संबंध में नियमित प्रमाणपत्र/उद्गम का प्रमाणपत्र।

(ख) हथकरघा छूट प्रमाणपत्र :—नियंत्रित मर्दों से संगत सभी हथकरघा वस्त्रों/सैयार वस्तुओं के कनाडा को नियमित, सूची वस्त्र हथकरघा वस्त्र/सैयार वस्तुओं का आस्ट्रिया को नियमित सभी हथकरघा वस्त्र और सैयार वस्तुओं का यूरोपीय आर्थिक समुदाय के राज्यों तथा यू. एन. ए. और बंड लीटन को नार्वे को नियमित के मामले में वस्त्र समिति ऐसे उत्पादों के लिए द्वितीय समन्वय में यथा-निर्धारित प्रमाणपत्र जारी करेगा।

15. पूर्ण सूचना दिए बिना पहने के किसी भी प्रावधान का गंभीरन करने के लिए सरकार अधिकार रखती है।

16. संबंधित नियमित संबंधित परिषद् और वस्त्र आयुक्त, वस्त्र समिति और विकास आयुक्त (इम्प्लिमेंट) के कार्यालयों के पते निम्नलिखित अनुसार हैं :—

1. वस्त्र आयुक्त का कार्यालय,
न्यू सी. जी. ओ. बिल्डिंग,

न्यू मैरीन लाइन्स,
पोस्ट बॉक्स नं. 11500, बम्बई-400020

2. सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्,
इंजीनियरिंग सेक्टर, 5वीं मंजिल,
9-मैथ्यू रोड, बम्बई-400004
3. सिल्क और रेयॉन टेक्स्टाइल निर्यात संवर्धन परिषद्,
रेयॉन भवन, बीर नारीमन रोड,
बम्बई-400020।
4. ऊन और ऊन वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, 612/711,
अशोक इस्टेट, 24 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001
5. कारपेट निर्यात संवर्धन परिषद्, कुकान नं. व-115,
सेक्टर-18, पोस्ट आफिस नोएडा जिला-गजियाबाद।
6. विकास प्रायुक्त (इस्तेमाल), वैस्ट ब्लॉक,
7, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110022।
7. वस्त्र समिति, "क्रिस्टल" 79-आ. एनो बोस्ट रोड,
बर्ली, बम्बई-400018

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 19-ETC(PN)/86

New Delhi, the 6th October, 1986

Subject :—Scheme of exports under OGL-3 of certain fabrics and/or made-up items made from cotton, wool and man-made fibres, to USA, European Economic Community Member States, Canada, Austria, Finland, Sweden and Norway from 1-1-1987 to 31-12-1987.

F. No. 2/65/85/E-I.—This scheme relates to the exports of certain fabrics and/or made-up items of cotton, wool and man-made fibres to USA, European Economic Community Member-States (Federal Republic of Germany, France, Italy, Benelux, U.K. Ireland, Denmark, Greece, Spain and Portugal), Austria, Canada, Finland, Sweden and Norway for the period 1-1-1987 to 31-12-1987.

2. Agencies for the Administration of the Scheme

2(i) Unless otherwise directed, the Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) will allocate export entitlements for all fabrics and made-ups except woollen fabrics and made-ups for which export entitlement allocation will be done by the Wool & Woollen Export Promotion Council (W&WEPC). However, necessary certification for all fabrics and made-ups including the woollen fabrics and made-ups will be done by the Cotton Textiles Export Promotion Council Lists of categories of the Textile products covered under the scheme are available with the Cotton Textiles Export Promotion Council and the Wool & Woollen Export Promotion Council. Government reserves the right to make changes as considered appropriate, with regard to the agencies for the administration of the scheme.

2(ii) Export Entitlements will be allotted only to exporters registered with the Competent Registering Authorities.

3. Systems and quantum of allotment and divisions of the allotment year.

There will be three systems of allocation of quantity for export :—

3 (i) 40 per cent of the annual level will be allocated on the basis of past performance, 40 per cent on the basis of First-come, First-served (FCFS) Contract Reservation and 20 per cent on FCFS Ready-goods basis.

3 (ii) In the case of past performance system, there will be a single period of allocation from 1-1-1987 to 30-9-1987. For FCFS Contract Reservation system and FCFS readygood system, the year will be divided into three four monthly periods i.e. 1-1-1987 to 30-4-1987, 1-5-1987 to 31-8-1987 and 1-9-1987 to 31-12-1987.

3 (iii) 50 per cent of the quantity available under the system of FCFS Contract Reservation and FCFS Readygoods will be allocated for shipment during the first period January|April, 1987, 25 per cent for shipment during the second period May|August, 1987, and the remaining 25 per cent for shipment during the third period, September|December, 1987. The above periods and/or systemwise ratios may, however, be modified by the Government depending upon the demand patterns and other parameters.

4. Reservation for segments.

Wherever export entitlements for cotton, woollen and man-made fibres are combined, the reservation for woollen and synthetic items will be done in terms of specific quantities. The actual quantities will be determined by the Textile Commissioner after ascertaining the firm requirements from the respective Councils keeping in view the past pattern and prevailing trends.

5. Past Performance Entitlement System.

5 (i) Agency for determining entitlements.—The Agency for calculation of the entitlement under the past performance system in respect of each exporter will be the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay (TEXPROCIL). The Textile Commissioner will lay down procedures in this regard and supervise the work of the TEXPROCIL.

5 (ii) Base Period and Ceiling.—The entitlement shall be determined pro-rata for each country| category combination on the basis of the average of exports during 1984, 1985 and January|June, 1986 for each exporter. The allotment will be made on pro-rata basis. No exporter shall, however, be entitled to more than his annual average exports in the base period in each category/country.

5 (iii) Performance bond.—The exporters qualifying for past performance entitlement will be allowed to utilise their entitlement without executing performance bond upto 31-3-1987.

5 (iv) The exporters will be given the option to surrender the unutilised entitlements by 31-3-1987 or retain such quantity as they may desire by giving performance bond backed either by Bank Guarantee or cash deposit on or before 31st March, 1987, at the rate of Re. 1 per kg. where the unit of allotment is in terms of kgs., 24 paise per dozen for handkerchiefs, to EEC countries, 48 paise per dozen for terry towels and 10 paise per sq. yard for fabrics to USA and 10 paise per Sq. metre for woollen worsted fabrics to Canada.

5 (v) Exporters will be given an option to surrender their unutilised entitlements at 50 per cent of the rates at 5 (iv) above as on 30-6-1987.

5 (vi) Where the utilisation is not less than 75 per cent before 30th September, 1987 the exporter will be given an option to seek extension for shipment upto 31st December, 1987, by executing a performance bond at double the rates specified in paragraph 5(iv).

5 (vii) Transferability.—Past Performance Entitlement shall be transferable subject to the following conditions.

- (a) An exporter will have the option to transfer any portion of his entitlement to any other registered exporter at any time upto 30-9-1987.
- (b) The quantity transferred shall be counted as exports of the transferee, who actually ships the goods.
- (c) The entitlement in the hands of the transferee shall be subject to the same terms and conditions as those applicable to it in the hands of the transferee.
- (d) An exporter who obtains entitlement by transfer from any other exporter in a particular country/category, either in full or in part, will not be eligible to transfer any entitlement to another exporter in the same country/category.
- (e) Transfer of Past Performance Entitlement in a particular country/category shall not be allowed to the exporters who have FCFS contract reservation quota in the same category/Country.

6. FCFS Contract Reservation System

6 (i) For allotment on FCFS Contract Reservation basis, the exporter will have to submit alongwith the application, performance bond backed by bank guarantee or by cash deposit calculated at the rate of Re. 1/- per kg. where allotment is in kgs., 12 paise per dozen for handkerchiefs to EEC, 24 paise per dozen for terry towels, 5 paise per Sq. yard for fabrics to USA and 5 paise per Sq. meter for woollen worsted fabrics to Canada.

6 (ii) The exporter may seek extension for the next allotment period by executing performance bond at double the rates specified in para 6(i) above, provided he has utilised not less than 75 per cent of his entitlement by 30th June, 1987.

6 (iii) If on any particular day the total quantity applied for is more than the quantity available for distribution in any country/category, the allotment will be made on high price basis.

7. FCFS Readygoods System

7 (i) Allocation of quantity on the basis of FCFS Readygoods will be made only against the goods which are physically ready for shipment. The exporter will have to submit along with the application, shipping documents, the Textiles Committee's Inspection Certificate, AR4 or AR5/AR3 forms and a cheque towards earnest money deposit calculated at the rate of 50 paise per kg., which shall be forfeited if proof of actual shipment is not produced within the prescribed time limit.

7 (ii) If on any particular day the total quantity applied for is more than the quantity available for distribution in any country/category, the allotment will be made on high price basis.

8. Certification/Shipment

Certification by Texprocil under all the three systems of allotment will be valid for shipment for a period of 21 clear days from the date of certification subject to the condition that no certificate shall be valid beyond 31st December, 1987 in any case.

9. Slow Moving Items.

The Textile Commissioner will identify and announce a list of slow moving items on the basis of past exports and prevailing trends. Such items will be eligible for the following relaxations :

- (a) The provisions regarding security against performance guarantee would be dispensed with in the case of slow moving items, specially identified for this purpose, by the Textile Commissioner on the basis of past exports and prevailing trends.
- (b) For the identified slow moving items, applicants will have to submit only the performance bond in the proportion prescribed by Texprocil without any Bank guarantee or cash deposit.

10 Earnest Money Deposit/Bank Guarantee & forfeiture thereof.

10 (i) An exporter, who performs not less than 90 per cent of the export entitlements allotted to him under post performance entitlement and FCFS Contract Reservation Systems in a particular export entitlement period will not be liable to forfeiture of performance bond. An exporter who performs not less than 75 per cent but less than 90 per cent will have to pay proportionate forfeiture. If the export entitlement utilisation is less than 75 per cent the exporter will be liable to forfeiture of his performance bond in full. This will be subject to force majeure conditions wherever these arise.

10 (ii) Application for extension shall be filed within one month of the relevant period.

10 (iii) Exporters to whom export entitlements are allotted in terms of this policy but who do not utilise them would render themselves liable to disqualification from future allotment without prejudice to any other action that may be taken in this behalf.

11. Appeal against forfeiture of EMD's/Bank Guarantees:

For the purpose of giving consideration to representations made by exporters against forfeiture of EMD's/Bank Guarantees for non-utilisation of allotted export entitlements, the following procedure will apply. On forfeiture of EMD's/Bank Guarantees by the Texprocil, the exporters concerned may appeal against such forfeiture to the Textile Commissioner, Bombay within fifteen days of receipt of the communication regarding the forfeiture. The Textile Commissioner shall upon receipt of the representation give a ruling as early as possible. If, in any case, the exporter is not satisfied with the decision of the Textile Commissioner, he may prefer an appeal against the decision within 15 days of receipt of the communication conveying the decision. The second appeal will lie with Ministry of Textiles and will be dealt with by an Appellate Committee constituted by the Government.

12. Supervision of allocation of export entitlements:

The Textile Commissioner, Bombay will continue to exercise day to day supervision over the matters relating to allocation of export entitlement. A co-ordination Committee with the Textile Commissioner as Chairman and with the representatives of the concerned EPCs as members will review the operation of the policy periodically. On matters where there is difference of opinion, the decision of the Textile Commissioner will be final.

13. Clearance by Customs :

A. Products under restrain :

Shipments will be allowed by Customs authorities at the ports of shipment after verifying the certification of export entitlement of the original and duplicate of shipping bills for individual consignments issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council or any other appropriate agency designated for this purpose.

B. Handloom product—

In so far as exports of all handloom fabrics/made-ups, corresponding to restrained items are concerned, shipments will be permitted by the Customs on the basis of 'Inspection Endorsement' by the Textile Committee in Part-2 of the combination form.

C. Made-ups falling under India Items—

In respect of 'India Items' which are traditional folklore handicraft textile products of India, shipments will be permitted by the Customs for exports to EEC, USA, Finland, Austria, Sweden, Canada and Norway on the basis of appropriate certificate issued

by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts).

14(A). Export Certificate, Certificate of origin and Visa:

The following certification, required under the relevant Bilateral Textile Agreements, will be issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council or any other body duly authorised in this behalf :

(i) EEC :

- (a) Export Certificate and certificate of origin for all restrained items of powerloom/mill-made/knitted origin.
- (b) Certificate of origin for non-restrained items of powerloom/millmade/knitted origin.

(ii) AUSTRIA :

Export Certificates for fabrics/made-ups of powerloom/millmade origin subject to restraint or surveillance.

(iii) CANADA :

Export certificate of fabrics and made-ups of mill-made/powerloom/knitted origin which are subject to restraint except for consignments valued at less than Canadian \$ 500.

(iv) USA:

- (a) Visa for all millmade/powerloom fabrics and made-ups consignments valued above US \$250/-.
- (b) Exempt certificate for consignments valued at US \$250/- or less.

(v) SWEDEN :

Export certificate for all made-ups of mill-made/powerloom/handloom/knitted/crocheted origin under quantitative restraint.

(vi) NORWAY :

Export certificate/Certificate of Origin in respect of bed linen of powerloom and mill-made under category 7.

14(B). Handloom exempt certificate:

In the case of export of all handloom fabrics/made-ups corresponding to restrained items to Canada, Cotton Handloom Textile Fabrics/Made-ups to Austria, all handloom and fabrics and made-ups to EEC and the USA and handloom bed-linen to Norway the Textiles Committee will issue the certificate as prescribed in the Bilateral Agreements for such products.

15. Government reserves the right to make amendments to any of the foregoing provisions without giving prior notice.

16. The addresses of the concerned Export Promotion Councils and of the offices of the Textile Commissioner, Textiles Committee and Development Commissioner (Handicrafts) are as follows :—

1. Office of the Textile Commissioner,
New C. G. O. Building,
New Marine Lines,
Post Box No. 11500,
Bombay-400020.
2. The Cotton Textiles Export Promotion Council,
Engineering Centre,
5th Floor,
9th-Mathew Road,
Bombay-400004.
3. Silk & Rayon Textiles Export Promotion Council,
Resham Bhavan,
Veer Nariman Road,
Bombay-400020.

4. The Wool & Woollen Export Promotion Council,
612/714, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

5. Carpet Export Promotion Council,
Shop No. B-115,
Sector-XVIII,
Post Office Noida,
Distt. Ghaziabad.

6. Development Commissioner (Handicrafts),
West Block,
VII, R. K. Puram,
New Delhi-110022.

7. Textiles Committee,
"Crystal",
79-Dr. Amnic Besant Road,
Worli,
Bombay-400018.

R. L. MISRA, Chief Controller of
Imports and Exports

